INCREDIBLE STATE

वस्तुनिष्ठ

राजस्थान

वर्ष 1999 से अब तक

RPSC, RSSB, Police एवं अन्य परीक्षाओं में राजस्थान सामान्य ज्ञान पर पूछे गए महत्वपूर्ण प्रश्नो का व्याख्यात्मक हल सहित अध्यायवार संग्रह

अब करो
राजस्थान सामान्य ज्ञान
की
सटीक तैयारी
इन महत्वपूर्ण प्रश्नों के साथ!

44 अध्याय

2800+
अति महत्वपूर्ण प्रश्न

व्याख्यात्मक हल सहित

AGRAWAL EXAMCART
Paper Pakka Fasega!

Code	Price	Pages	ISBN
CB1274	₹ 449	406	978-93-5703-304-6

विषय सूची

पृष्ठ संख्या

Help Centre, समसामयिकी, Video Solutions एवं पेपर्स की सूची

⊙ **Agrawal Examcart Help Centre** vi

⊙ **समसामयिकी (करंट अफेयर्स)** vii

[अगले पृष्ठ पर दिये गये Student's Corner में QR Code/Link के माध्यम से Free PDF को Download करें]

⊙ **सभी सरकारी परीक्षाओं के Video Solutions अब YouTube Channel पर** viii

⊙ **राजस्थान राज्य के 1999 से अब तक आयोजित हुए पेपर्स की सूची जिनके महत्वपूर्ण प्रश्नों को इस पुस्तक में अध्यायवार दिया गया हैं** ix

राजस्थान सामान्य ज्ञान

Unit-I : राजस्थान कर्मचाारी चयन बोर्ड 1-277

(2016 से अब तक के सभी प्रश्नों का अध्यायवार संकलन)

1. इतिहास के स्रोत, अभिलेख, सिक्के व सभ्यताएँ (प्राचीन काल) 1-6
2. राजपूत काल एवं मध्य काल 7-20
3. राजस्थान पर ब्रिटिश काल का प्रभाव 21-23
4. 1857 की क्रांति, स्वतंत्रता संग्राम एवं जनजागरण संस्थाएँ 24-31
5. किसान एवं जनजाति आंदोलन 32-38
6. राजस्थान का एकीकरण एवं आधुनिक काल 39-45
7. राजस्थान के दुर्ग, महल, हवेली एवं बावड़ियाँ 46-53
8. लोकदेवता एवं लोकदेवियाँ 54-57
9. संत एवं सम्प्रदाय 58-63
10. धार्मिक स्थल, पर्यटन स्थल एवं प्रसिद्ध स्थान 64-73
11. चित्रकला एवं शैलियाँ 74-80
12. मेले, पशु मेले 81-84
13. त्यौहार, रीति–रिवाज एवं प्रमुख दिवस 85-88
14. वेशभूषा एवं आभूषण 89-93
15. हस्तकला एवं अन्य शिल्प 94-97
16. लोकगीत, नृत्य, वाद्ययंत्र एवं संगीत 98-110
17. साहित्य 111-119
18. बोलियाँ एवं जनजीवन शब्दावली 120-122
19. भौगोलिक परिदृश्य 123-135
20. राजस्थान के संभाग एवं जिले 136-139
21. राजस्थान की जलवायु 140-148
22. राजस्थान की मिट्टियाँ 149-153
23. नदियाँ, नहरें, झीलें, नदी घाटी परियोजनाएँ एवं प्रमुख सिंचाई परियोजनाएँ 154-170
24. ऊर्जा संसाधन 171-184
25. खनिज संसाधन 185-193
26. ऊर्जा संसाधन 194-196
27. वन, वन्य जीवन, जैव विविधता, जैव उद्यान एवं अभयारण्य 197-209
28. जनसंख्या एवं जनजातियाँ 210-215
29. औद्योगिक एवं वित्तीय परिदृश्य 216-219
30. आर्थिक संवृद्धि, आर्थिक नियोजन, प्रमुख विकास परियोजनाएँ एवं मुद्रास्फीति 220-223
31. शिक्षा एवं स्वास्थ्य 224
32. आधारभूत ढाँचा, परिवहन एवं विभिन्न परियोजनाएँ 225-226
33. कार्यक्रम एवं योजनाएँ–अनुसूचित जाति/जनजाति/पिछड़ा वर्ग/अल्पसंख्यक/विकलांग व्यक्ति/निराश्रित व्यक्ति/महिलायें/बालक/वृद्ध व्यक्ति/कृषक एवं श्रमिक 227-233
34. राज्यपाल, मुख्यमंत्री, राज्य विधानमंडल एवं संसद में राजस्थान का प्रतिनिधित्व 234-241
35. उच्च न्यायालय 242-243
36. लोकायुक्त व महाधिवक्ता 244-245
37. राज्य वित्त आयोग, लोकसेवा आयोग, राज्य मानवाधिकार आयोग, राज्य निर्वाचन आयोग एवं अन्य आयोग 246-251
38. जिला, संभाग प्रशासन एवं राज्य सचिवालय 252-253
39. पंचायतीराज व्यवस्था 254-257
40. खेल एवं प्रमुख खेल व्यक्तित्व 258-259
41. पुरस्कार एवं सम्मान 260
42. प्रमुख व्यक्तित्व 261-266
43. राजस्थान सम्बंधित विज्ञान, तकनीकी एवं प्रमुख संस्थान 267-269
44. राजस्थान–विविध प्रश्न 270-277

Unit-II : राजस्थान सब–इंस्पेक्टर एवं कॉन्स्टेबल 1-70

(2013 से अब तक के सभी प्रश्नों का अध्यायवार संकलन)

1. इतिहास के स्रोत, अभिलेख, सिक्के व सभ्यताएँ (प्राचीन काल) 1
2. राजपूत काल एवं मध्य काल 1-3
3. राजस्थान पर ब्रिटिश काल का प्रभाव 3
4. 1857 की क्रांति, स्वतंत्रता संग्राम एवं जनजागरण संस्थाएँ 3-4
5. किसान एवं जनजाति आंदोलन 4
6. राजस्थान का एकीकरण एवं आधुनिक काल 4
7. राजस्थान के दुर्ग, महल, हवेली एवं बावड़ियाँ 4-5
8. लोकदेवता एवं लोकदेवियां 5
9. संत एवं सम्प्रदाय 5
10. धार्मिक स्थल, पर्यटन स्थल एवं प्रसिद्ध स्थान 6-7
11. चित्रकला एवं शैलियां 7
12. मेले, पशु मेले 7-8
13. त्यौहार, रीति–रिवाज एवं प्रमुख दिवस 8
14. वेशभूषा एवं आभूषण 8-9
15. हस्तकला एवं अन्य शिल्प 9
16. लोकगीत, नृत्य, वाद्ययंत्र एवं संगीत 9-10
17. साहित्य 10
18. बोलियां एवं जनजीवन शब्दावली 10
19. भौगोलिक परिदृश्य 10-12
20. राजस्थान के संभाग एवं जिलें 12
21. राजस्थान की जलवायु 12
22. राजस्थान की मिट्टियाँ 12
23. नदियां, नहरें, झीलें, नदी घाटी परियोजनाएं एवं प्रमुख सिंचाई परियोजनाएं 13-14
24. राजस्थान की कृषि, पशु पालन एवं प्राकृतिक वनस्पति 14-15
25. खनिज संसाधन 15
26. ऊर्जा संसाधन 15-16
27. वन, वन्य जीवन, जैव विविधता, जैव उद्यान एवं अभ्यारण्य 16-17
28. जनसंख्या एवं जनजातियां 17
29. औद्योगिक एवं वित्तीय परिदृश्य 17
30. आर्थिक संवृद्धि, आर्थिक नियोजन, प्रमुख विकास परियोजनाएं एवं मुद्रास्फीति 17-19
31. शिक्षा एवं स्वास्थ्य 19
32. आधारभूत ढांचा, परिवहन एवं विभिन्न परियोजनाएं 19-20
33. कार्यक्रम एवं योजनाएं– अनुसूचित जाति/जनजाति/पिछड़ा वर्ग/अल्पसंख्यक/विकलांग व्यक्ति/निराश्रित व्यक्ति/ महिलायें/बालक/वृद्ध व्यक्ति/कृषक एवं श्रमिक 20-21
34. राज्यपाल, मुख्यमंत्री, राज्य विधानमंडल एवं संसद में राजस्थान का प्रतिनिधित्व 21-22
35. उच्च न्यायालय 22
36. लोकायुक्त व महाधिवक्ता 22-23
37. राज्य वित्त आयोग, लोकसेवा आयोग, राज्य मानवाधिकार आयोग, राज्य निर्वाचन आयोग एवं अन्य आयोग 23
38. जिला, संभाग प्रशासन एवं राज्य सचिवालय 23-24
39. पंचायतीराज व्यवस्था 24
40. खेल एवं प्रमुख खेल व्यक्तित्व 24
41. पुरस्कार एवं सम्मान 24
42. प्रमुख व्यक्तित्व 25
43. राजस्थान सम्बंधित विज्ञान, तकनीकी एवं प्रमुख संस्थान 25-26
44. राजस्थान– विविध प्रश्न 26-29
- व्याख्यात्मक हल 29-70

Unit-III : राजस्थान लोक सेवा आयोग 1-58

(1999 से अब तक के सभी प्रश्नों का अध्यायवार संकलन)

1. इतिहास के स्रोत, अभिलेख, सिक्के व सभ्यताएँ (प्राचीन काल) 1
2. राजपूत काल एवं मध्य काल 1-2
3. राजस्थान पर ब्रिटिश काल का प्रभाव 2
4. 1857 की क्रांति, स्वतंत्रता संग्राम एवं जनजागरण संस्थाएँ 2
5. किसान एवं जनजाति आंदोलन 3
6. राजस्थान का एकीकरण एवं आधुनिक काल 3
7. राजस्थान के दुर्ग, महल, हवेली एवं बावड़ियाँ 3-4
8. संत एवं सम्प्रदाय 4
9. धार्मिक स्थल, पर्यटन स्थल एवं प्रसिद्ध स्थान 4
10. चित्रकला एवं शैलियाँ 5-6
11. मेले, पशु मेले 6
12. त्यौहार, रीति–रिवाज एवं प्रमुख दिवस 6
13. वेशभूषा एवं आभूषण 6-7
14. हस्तकला एवं अन्य शिल्प 7
15. लोकगीत, नृत्य, वाद्ययंत्र एवं संगीत 7
16. साहित्य 7-8
17. बोलियाँ एवं जनजीवन शब्दावली 8
18. भौगोलिक परिदृश्य 8-9

19. राजस्थान के संभाग एवं जिले **9-10**

20. राजस्थान की जलवायु **11**

21. राजस्थान की मिट्टियाँ **11**

22. नदियाँ, नहरें, झीलें, नदी घाटी परियोजनाएँ एवं प्रमुख सिंचाई परियोजनाएँ **11-13**

23. राजस्थान की कृषि, पशु पालन एवं प्राकृतिक वनस्पति **14-16**

24. खनिज संसाधन **16-17**

25. ऊर्जा संसाधन **17-18**

26. वन, वन्य जीवन, जैव विविधता, जैव उद्यान एवं अभ्यारण्य **18-19**

27. जनसंख्या एवं जनजातियाँ **19-20**

28. औद्योगिक एवं वित्तीय परिदृश्य **20-21**

29. आर्थिक संवृद्धि, आर्थिक नियोजन, प्रमुख विकास परियोजनाएँ एवं मुद्रास्फीति **21-22**

30. शिक्षा एवं स्वास्थ्य **23**

31. आधारभूत ढाँचा, परिवहन एवं विभिन्न परियोजनाएँ **23**

32. कार्यक्रम एवं योजनाएँ—अनुसूचित जाति/जनजाति/पिछड़ा वर्ग/अल्पसंख्यक/विकलांग व्यक्ति/निराश्रित व्यक्ति/ महिलायें/बालक/वृद्ध व्यक्ति/कृषक एवं श्रमिक **24**

33. राज्यपाल, मुख्यमंत्री, राज्य विधानमंडल एवं संसद में राजस्थान का प्रतिनिधित्व **24-25**

34. उच्च न्यायालय **25**

35. लोकायुक्त व महाधिवक्ता **25**

36. राज्य वित्त आयोग, लोकसेवा आयोग, राज्य मानवाधिकार आयोग राज्य निर्वाचन आयोग एवं अन्य आयोग **25-27**

37. पंचायतीराज व्यवस्था **27**

38. जन नीति, विधिक अधिकार एवं सिटीजन चार्टर **27**

39. खेल एवं प्रमुख खेल व्यक्तित्व **27**

40. पुरस्कार एवं सम्मान **27**

41. प्रमुख व्यक्तित्व **28**

42. विज्ञान, तकनीकी एवं प्रमुख संस्थान **28**

43. राजस्थान–विविध प्रश्न **28**

- व्याख्यात्मक हल **29-58**

अध्याय 1

इतिहास के स्रोत, अभिलेख, सिक्के व सभ्यताएँ (प्राचीन काल)

1. कर्नल टॉड के अनुसार, मीणाओं का मूल निवास स्थान निम्न में से कौन-सा था?
(A) काली घाटी पर्वतमाला
(B) मुकुन्दरा पर्वत श्रेणी
(C) आबू पर्वतमाला
(D) काली खोह पर्वतमाला
[Rajasthan CET, 08-01-2023 (Shift-1)]

2. 'हम्मीर हठ' नामक ग्रन्थ किसने लिखा?
(A) चन्द्रशेखर (B) केशवदेव
(C) दलपत (D) जोधराज
[Rajasthan CET, 08-01-2023 (Shift-1)]

3. निम्नलिखित में से, बौद्ध धर्म से सम्बन्धित पुरातात्विक अवशेष कहाँ मिले हैं?
(A) नलियासर (सांभर)
(B) रैढ़ (टोंक)
(C) बैराठ (विराट नगर)
(D) माध्यमिका (नगरी)
[Rajasthan CET, 08-01-2023 (Shift-1)]

4. निम्नलिखित में से किस पुरातात्विक स्थल से, यूनानी शासक मीनांडर की मुद्राएं प्राप्त हुई हैं?
(A) बालाथल (B) गणेश्वर
(C) बैराठ (D) आहड़
[Rajasthan CET, 07-01-2023 (Shift-2)]

5. निम्नलिखित में से कौन-सा स्थान आहड़ सभ्यता से सम्बन्धित नहीं है?
(A) रोजड़ी (B) गिलूण्ड
(C) भगवानपुरा (D) आभानेरी
[Rajasthan CET, 11-02-2023 (Shift-1)]

6. धूलकोट कहाँ स्थित है?
(A) आहड़ में (B) कालीबंगा में
(C) बालाथल में (D) बैराठ में
[Rajasthan CET, 11-02-2023 (Shift-1)]

7. किस सभ्यता में मकान एवं बस्तियाँ बनाने में ईंटों का प्रयोग नहीं होता?
(A) गणेश्वर (B) बैराठ
(C) कालीबंगा (D) आहड़
[Rajasthan CET, 11-02-2023 (Shift-2)]

8. निम्नलिखित में से किस संस्कृति को 'बनास संस्कृति' भी कहा जाता है?
(A) रैड संस्कृति (B) बैराठ संस्कृति
(C) आहड़ संस्कृति (D) दृषद्वती संस्कृति
[Rajasthan CET, 11-02-2023 (Shift-2)]

9. 'मान्ड' प्राचीन नाम था–
(A) प्रतापगढ़ का (B) जैसलमेर का
(C) करौली का (D) बूंदी का
[Rajasthan State VDO, 27-12-2021 (Shift-2)]

10. 1800 ईस्वी में किस विद्वान ने प्रथम बार वर्तमान राजस्थान क्षेत्र के लिए राजपूताना नाम का उपयोग किया ?
(A) कर्नल टॉड (B) जार्ज थॉमस
(C) मैक्स मूलर (D) वी. स्मिथ
[Stenographer, 2018 Shift-1]

11. निम्न में से शिलालेख/प्रशस्ति और उनके वर्ष के सही जोड़े कौन–से हैं ?
1. अचलेश्वर शिलालेख – 1285
2. दिलवाड़ा शिलालेख – 1216
3. कुम्भलगढ़ प्रशस्ति – 1460
(A) 1, 2 एवं 3 (B) केवल 1 एवं 3
(C) केवल 2 एवं 3 (D) केवल 1 एवं 2
[Stenographer, 2018 Shift-1]

12. बमलू, लिखमादेसर, पांचला सिद्धा किस संप्रदाय से संबंधित हैं ?
(A) निम्बार्क सम्प्रदाय (B) रामस्नेही सम्प्रदाय
(C) विश्नोई सम्प्रदाय (D) जसनाथी सम्प्रदाय
[Rajasthan VDO Mains 09-07-2022]

13. अभिलेख, जो प्रतिहार शासक कक्कुक की आभीरों पर विजय का दावा करता है–
(A) चीरवा अभिलेख
(B) घटियाला अभिलेख
(C) अर्थुणा अभिलेख
(D) बीजोलिया अभिलेख
[Rajasthan VDO Mains 09-07-2022]

14. 'मरुवाणी' क्या है ?
(A) जयपुर रेडियो स्टेशन से प्रसारित कार्यक्रम
(B) राजस्थानी भाषा की मासिक पत्रिका
(C) राजस्थानी भाषा का शब्दकोष
(D) प्रमुख राजस्थानी गीतों का संग्रह
[Rajasthan VDO Mains 09-07-2022]

15. निम्नलिखित युग्मों में से कौन-सा युग्म (पुरास्थल–संबंधित जिला) सुमेलित नहीं है ?
(A) जोधपुरा – जयपुर
(B) सुनारी – झुंझनूं
(C) गिलूण्ड – राजसमन्द
(D) ओझियाना – चित्तोड़गढ़
[Rajasthan Computer Instructor, 2022]

16. निम्न में से राजस्थान के किस स्थल से प्राप्त मृदभाण्डों को लाल धरातल पर काले रंगों की सुन्दर ज्यामितिक डिजाइनों से सजाया गया है ?
(A) कालीबंगा (B) आहड़
(C) कोट-डीगी (D) गिलूण्ड़

17. राजस्थान की भाषा के लिए 'राजस्थानी' शब्द का प्रयोग सर्वप्रथम किसने किया था ?
(A) कवि कुशल लाभ
(B) सूर्यमल्ल मिश्रण
(C) जार्ज अब्राहम ग्रीसन
(D) जैम्स टॉड
[Village Development Officer, 28-12-2021 Shift-1]

18. किस शिलालेख में चौहानों को 'वत्सगोत्र' ब्राह्मण कहा गया है ?
(A) चीरवा शिलालेख
(B) श्रृंग ऋषि का शिलालेख
(C) बिजौलिया शिलालेख
(D) अपराजित का शिलालेख
[Patwar, 13-02-2016]

19. बड़वा ग्राम (कोटा) से कितने मौखरी यूप अभिलेख प्राप्त हुए हैं?
(A) 5 (B) 3
(C) 4 (D) 7
[Patwar, 13-02-2016]

20. किस अभिलेख में चौहानों को वत्स गोत्र का ब्राह्मण कहा गया है ?
(A) बिजौलियाँ शिलालेख
(B) चीरवा शिलालेख
(C) घोसुण्डी शिलालेख
(D) सारणेश्वर प्रशस्ति
[Investigator 27-12-2020]

21. गणेश्वर सभ्यता किस काल से सम्बन्धित है ?
(A) हड़प्पा काल (B) लौह युग
(C) ताम्र/कांस्य युग (D) पुरापाषाण काल
[Librarian Grade III 19-09-2020]

22. कालीबंगा का उत्खनन कार्य किसके नेतृत्व में निष्पादित हुआ था ?
(A) वी.एस. वाकणकर
(B) वी.एन. मिश्रा

(C) एच.डी. सांकलिया

(D) बी.बी. लाल

[Industry Department (Self inspector) 22-12-2019 Shift-2]

23. घोसुण्डी अभिलेख किस लिपि में लिखा गया है?

(A) खरोष्टी (B) ब्राह्मी

(C) प्राकृत (D) संस्कृत

[Industry Department (Self Inspector) 22-12-2019 Shift-2]

24. राजस्थान के कौन-से ताम्रपत्र से रानी कर्मवती द्वारा जौहर के प्रमाण मिलते हैं ?

(A) आहड़ ताम्रपत्र (B) खेरोदा ताम्रपत्र

(C) पुर ताम्रपत्र (D) चीकली ताम्रपत्र

[Economic Investigator 25-03-2019 Shifit-2]

25. निम्नलिखित में से कौन-सा मण्डोर के प्रतिहारों के इतिहास की जानकारी देता है ?

(A) सम्भोली अभिलेख

(B) घटियाला अभिलेख

(C) बीजापुर अभिलेख

(D) अरथुना अभिलेख

[Lab Assistant 2018]

26. निम्नलिखित में से कौन-सा काल कालीबंगा सभ्यता से सम्बन्धित है ?

(A) 2500 ई.पू. से 1500 ई.पू.

(B) 6000 ई.पू. से 4500 ई.पू.

(C) 2500 ई.पू. से 500 ई.पू.

(D) 2500 ई. से 1500 ई.

[Live Stock Assistant 21-10-2018]

27. दो मुँह का चूल्हा व बहुत प्रकार के बर्तनों के साथ सिलबट्टा व पैन निम्नलिखित में से किस स्थान से खुदाई में मिले थे ?

(A) आहड़ (B) कालीबंगा

(C) बागौर (D) गणेश्वर

[Live Stock Assistant 21-10-2018]

28. निम्न में से राजस्थान की ताम्र-युगीन सभ्यता में सबसे प्रमुख सभ्यता कौन-सी है?

(A) आहड़ (B) कालीबंगा

(C) बैराठ (D) बागोर

[Live Stock Assistant 21-10-2018]

29. बांगोर सभ्यता किस नदी के किनारे पर अवस्थित थी ?

(A) कोठारी नदी (B) लूनी नदी

(C) बनास नदी (D) इनमें से कोई नहीं

[Live Stock Assistant 21-10-2018]

30. बैराठ प्राचीन भारत में किस जनपद की राजधानी थी ?

(A) मत्स्य (B) पांचाल

(C) चेदी (D) अर्जुनाय

[Live Stock Assistant 21-10-2018]

31. बिजौलिया शिलालेख किस चौहान नरेश के काल का है ?

(A) सोमेश्वर (B) पृथ्वीराज

(C) अजयराज (D) हरिराज

[PTI Greade III 2018 Shift-1]

32. निम्नलिखित में से किस उत्खनन स्थल से चांदी की मुद्रा 'पंचमार्क' प्राप्त हुई है ?

(A) कालीबंगा (B) आहड़

(C) गणेश्वर (D) बैराठ

[PTI Grade III 2018 Shift-1]

33. बागोर एवं तिलवाड़ा नामक स्थान मुख्यतया निम्न काल से सम्बन्धित थे–

(A) मध्य पाषाण काल

(B) पुरा पाषाण काल

(C) पूर्व–हड़प्पा काल

(D) निम्न पुरा पाषाण काल

[Librarian Grade II 2016]

34. 'मेसोलिथिक' शब्द का वास्तविक शाब्दिक का अर्थ है–

(A) मध्य पाषाणकालीन युग

(B) मध्य पुरापाषाणकालीन युग

(C) उच्च पुरापाषाण काल

(D) निम्न पुरापाषाण काल

[Lab Assistant 2018]

35. राजस्थान में पुरातात्विक सर्वेक्षण कार्य सर्वप्रथम (1871 ई.) प्रारम्भ करने का श्रेय किसे जाता है?

(A) ए.सी.एल. कालाईल

(B) एच.डी.सांकलिया

(C) बी.बी. लाल

(D) ए. कनिंघम

[Live Stock Assistant 2016 18-10-2016]

36. राजस्थान में पाषाणयुगीन संस्कृति कहाँ प्राप्त हुई?

(A) रेगिस्तानी क्षेत्र में

(B) नदियों और सहायक नदियों के किनारे

(C) अरावली पर्वत श्रृंखलाओं में

(D) जंगलों में

[Investigator 2016 01-09-2016]

37. राजस्थान में पशुपालन के प्राचीनतम साह्य कहाँ प्राप्त हुए हैं ?

(A) कालीबंगा (B) गणेश्वर

(C) आहाड़ (D) बागोर

[Investigator 2016 01-09-2016]

38. ताम्रयुगीन स्थल झाड़ोल कहाँ स्थित है ?

(A) चित्तौड़ (B) नागौर

(C) उदयपुर (D) जालौर

[Compiler 2016 01-09-2016]

39. निम्नलिखित में से कौन-सा स्थल राजस्थान में ताम्र युगीन संस्कृति का केन्द्र नहीं था ?

(A) नोह (B) गिलुण्ड

(C) बागोर (D) रंगमहल

[Compiler 2016 01-09-2016]

40. जहाँगीर ने 'दलथम्भन' की उपाधि किसको दी थी?

(A) राजसिंह (B) मेघसिंह

(C) कर्णसिंह (D) अमरसिंह

[Compiler 2016 01-09-2016]

41. 'भीम डूंगरी' गणेश डूंगरी राजस्थान की किस सभ्यता से सम्बन्धित है ?

(A) गणेश्वर सभ्यता (B) बैराठ सभ्यता

(C) आहड़ सभ्यता (D) कालीबंगा सभ्यता

[Women Superivisor Non–TSP Exam 25-05-2016]

42. दोहरी रक्षा–प्रस्वीर के साक्ष्य राजस्थान की किस सभ्यता से प्राप्त हुए हैं ?

(A) बालाथल सभ्यता (B) ओझियाना सभ्यता

(C) कालीबंगा सभ्यता (D) गणेश्वर सभ्यता

[Women Superivisor Non–TSP Exam 25-05-2016]

43. सैन्धव सभ्यता के किस स्थल से जुते हुए खेत के प्रमाण मिले हैं ?

(A) हड़प्पा (B) मोहनजोदड़ो

(C) राखीगढ़ी (D) कालीबंगा

[House Keeper 09-07-2022]

44. निम्नलिखित में से कौन-सा (पुरातात्विक स्थल उत्खननकर्ता) सुमेलित नहीं है ?

(A) आहड़–एच.डी. सांकलिया

(B) ओझियाना–के.एन. पुरी

(C) बैराठ–डी.आर. साहनी

(D) बागौर–वी.एन. मिश्र

[House Keeper 09-07-2022]

45. आहड़ सभ्यता का उत्खन्न कार्य सर्वप्रथम किसके नेतृत्व में हुआ ?

(A) दयाराम साहनी

(B) अमलानन्द घोष

(C) अक्षय कीर्ति व्यास

(D) रत्न चन्द अग्रवाल

[Investigator 2016 01-09-2016]

व्याख्यात्मक हल

1. (D) कर्नल टॉड के अनुसार, मीणाओं का मूल निवास स्थान काली खोह पर्वतमाला था। उन्हें 1954 में भारत सरकार द्वारा अनुसूचित जनजाति का दर्जा मिला।
- मीणा भारत की प्राचीन जनजातियों में से एक हैं, वे मीणा भाषा बोलते हैं। उन्होंने सामान्य पूजा प्रणाली को अपनाना शुरू कर दिया।
- कर्नल टॉड अजमेर से लेकर आगरा तक काली खोह पर्वतमाला को मीणा जाति का मूल निवास मानते हैं।
- मीणा मुख्यतया भारत के राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और महाराष्ट्र राज्यों में निवास करने वाली एक जनजाति है। राजस्थान राज्य की प्रमुख जनजाति मीणा है।

2. (A) 'हम्मीर हठ' नामक ग्रन्थ चन्द्रशेखर ने लिखा।
- हम्मीर को हठी हम्मीर के नाम से भी जाना जाता था।
- हम्मीर ने अपने जीवन में 17 लड़ाइयाँ लड़ीं, जिसमें से उन्होंने 16 लड़ाइयाँ जीतीं।
- उन्होंने अपने पिता जैत्र सिंह के 32 वर्ष के शासनकाल की याद में 32 स्तंभ वाले स्मारकों का निर्माण करवाया था। हम्मीर से सम्बन्धित रचनाएँ और उनके लेखक इस प्रकार हैं–
  - हम्मीर हठ– चंद्रशेखर
  - हम्मीर महावाक्य – नयनचंद्र सूरी
  - हम्मीर रासो– जोधराज सारंगदेव
  - राज रूपक–वीरभान

3. (C) राजस्थान के बैराठ (विराट नगर) में बौद्ध धर्म से सम्बन्धित पुरातत्व अवशेष मिले हैं। यह जयपुर से लगभग 66 किमी उत्तर में राजस्थान के विराटनगर में स्थित है, जहाँ एक प्राचीन भारतीय बौद्ध मठ परिसर के अवशेष हैं। यहाँ से मौर्य सम्राट अशोक का भी एक लघु शिलालेख प्राप्त हुआ है।
- मत्स्य देश की राजधानी बैराट या प्राचीन विराटनगर की स्थापना राजा विराट ने की थी, जिनके राज्य में पाँचों पांडवों ने वनवास का तेरहवाँ वर्ष छद्म वेश में यहीं बिताया था।
- यह स्थान अशोक के दो शिलालेखों के लिए प्रसिद्ध है और महत्वपूर्ण प्राचीन बौद्ध अवशेष यहाँ पाए जाते हैं।

4. (C)
- बैराठ में यूनानी शासक मीनांडर की 16 मुद्राएँ प्राप्त हुई हैं।
- बैराठ जयपुर जिले में शाहपुरा उपखण्ड में बाणगंगा नदी के किनारे स्थित लौहयुगीन स्थल है।
- यहाँ पर उत्खनन 1936-37 में दयाराम साहनी द्वारा तथा 1962-63 में नीलरत्न बनर्जी तथा कैलाशनाथ दीक्षित द्वारा किया गया था।

5. (C)
- **भगवानपुरा, आहड़ सभ्यता से सम्बन्धित नहीं है।**
- भगवानपुरा एक हड़प्पाकालीन प्रमुख पुरास्थल है।
- यह हरियाणा के कुरुक्षेत्र जिले में सरस्वती नदी के किनारे स्थित स्थल है जिसका उत्खनन जे.पी. जोशी ने करवाया।

6. (A)
- **धूलकोट आहड़ में स्थित है।**
- आहड़ संस्कृति एक ताम्रपाषाण कालीन पुरातात्विक संस्कृति है, जो दक्षिण-पूर्वी राजस्थान में आहड़ नदी के तट पर 3000 ईसा पूर्व से 1500 ईसा पूर्व तक फली-फूली थी।
- यह सिंधु घाटी सभ्यता के निकट और समकालीन है। इसे बनास संस्कृति भी कहा जाता है।
- आहड़–बनास के लोग अरावली ग्रेड के तांबे के अयस्कों का उपयोग करके कुल्हाड़ी और अन्य कलाकृतियाँ बनाते थे।
- आहड़ उदयपुर शहर/मेवाड़ क्षेत्र के पूर्व में बहने वाली अयाद/बेड़च नदी के तट पर स्थित है।
- आहड़ को प्राचीन काल में तांबवती/ताम्रवती के नाम से जाना जाता था।

7. (A) गणेश्वर सभ्यता में मकान एवं बस्तियाँ बनाने में ईंटों का प्रयोग नहीं होता था।
- गणेश्वर सभ्यता को ताम्रयुगीन सभ्यता की जननी कहा जाता है।
- राजस्थान में गणेश्वर सभ्यता सीकर जिले में नीम का थाना स्थान के पास स्थित है।
- इसका उत्खनन कार्य रत्नचन्द्र अग्रवाल द्वारा 1977 में तथा विस्तृत उत्खनन 1978-79 में विजय कुमार द्वारा करवाया गया था।

8. (C) आहड़ संस्कृति
- आहड़ संस्कृति को बनास संस्कृति के नाम से भी जाना जाता है।
- यह राजस्थान में आहड़ नदी के तट पर एक ताम्रपाषाणकालीन पुरातात्विक संस्कृति स्थल है, जो सिन्धु घाटी सभ्यता के समकालीन और निकट थी।
- इस सभ्यता के प्रमुख स्थल उदयपुर और गिलुंड के निकट हैं।

9. (C)
- करौली का प्राचीन नाम मान्ड था। ऐसे ही कुछ अन्य प्राचीन नाम निम्नवत हैं:
  - ❖तारागढ़–गढ़बीरली
  - ❖बीकानेर–जांगल
  - ❖बूंदी–हाड़ौती
  - ❖डूगरपुर एवं बांसवाड़ा–बांगड़
  - ❖अलवर–आलौर
  - ❖मेवाड़–मेदपाट
  - ❖नागौर–अक्षत्रियपुर
  - ❖बैराठ–विराट

10. (A)
- आजादी से पहले राजस्थान को राजपूताना के नाम से जाना जाता था। जार्ज थॉमस ने साल 1800 ईसा में 'राजपूताना' नाम दिया था। कर्नल जेम्स टॉड ने 1829 ईसा में अपनी पुस्तक 'द एनाल्स एंड एक्टीविटीज ऑफ राजस्थान' में किया। कर्नल जेम्स टॉड ने राजस्थान को दी सेन्ट्रल वेस्टर्न राजपूत स्टेट्स ऑफ इंडिया कहा है।
- राजपूताना में 23 रियासतें, एक सरदारी, एक जागीर और अजमेर–मेवाड़ का ब्रिटिश जिला शामिल थे। शासक राजकुमारों में अधिकांश राजपूत थे।
- जोधपुर, जैसलमेर, बीकानेर, जयपुर और उदयपुर सबसे बड़े राज्य थे।
- जॉर्ज थॉमस एक अमेरिकन जनरल थे। जॉर्ज थॉमस को जहरई जंग के नाम से भी जाना जाता है।
- फ्रेडरिक मैक्समूलर एक जर्मन भाषाविद और प्राच्यविद थे।

11. (A)
- दिलवाड़ा मंदिर या देलवाड़ा मंदिर, पाँच मंदिरों का एक समूह है।
- ये राजस्थान के सिरोही जिले के माउंट आबू नगर में स्थित है।
- इन मंदिरों का निर्माण ग्यारहवीं और तेरहवीं शताब्दी के बीच हुआ था।
- यह शानदार मंदिर जैन धर्म के तीर्थंकरों को समर्पित हैं। दिलवाड़ा के मंदिरों में 'विमलशाही मंदिर' प्रथम तीर्थंकर को समर्पित सर्वाधिक प्राचीन है जो 1031 ई. में बना था।
- बाईसवें तीर्थंकर नेमिनाथ को समर्पित 'लुन वासाही मंदिर' भी काफी लोकप्रिय

है। यह मंदिर 1231 ई. में वास्तुपाल और तेजपाल नामक दो भाइयों द्वारा बनवाया गया था।

- दिलवाड़ा जैन मंदिर परिसर में पाँचवाँ मंदिर संगमरमर का है। मंदिरों के लगभग 48 स्तम्भों में नृत्यांगनाओं की आकृतियाँ बनी हुई है।
- कुम्भलगढ़ प्रशस्ति या कुम्भलगड़ शिलालेख राजस्थान के राजसमंद जिले के कुम्भलगढ़ दुर्ग में स्थित कुम्भश्याम मंदिर में स्थित है।
- इस मन्दिर को वर्तमान समय में मामादेव का मंदिर कहते हैं। यह प्रशस्ति संस्कृत भाषा एवं नागरी लिपि में है और पाँच शिलाओं पर उत्कीर्ण की गयी थी।
- इस प्रशस्ति में मुख्यतया राणा कुम्भा की विजयों का विस्तार से वर्णन मिलता है। इसमें भौगोलिक स्थिति, जनजीवन, एकलिंग मन्दिर का वर्णन, चित्तौड़ का वर्णन (चित्रांग ताल, दुर्ग, वैष्णव तीर्थ के रूप में) किया गया है। इसमें गुहिल वंश का वर्णन है। यह मेवाड़ के महाराणाओं की वंशावली को विशुद्ध रूप से जानने का महत्वपूर्ण साधन है। इस लेख में हम्मीर को विषम घाटी का 'पञ्चानन' (शेर) कहा गया है। इसके रचयिता कान्ह व्यास हैं। जबकि डॉ गौरीशंकर हीराचन्द ओझा के अनुसार इसका रचयिता महेश भट्ट हैं।

12. (D) बमलू, लिखमादेसर, पांचला सिद्धा, जसनाथी सम्प्रदाय से सम्बन्धित है। जसनाथी सम्प्रदाय एक जाट जाति का सिद्ध सम्प्रदाय है जो मुख्यतः राजस्थान के जोधपुर, बीकानेर मंडलों में पाया जाता है। इसके संस्थापक जसनाथ माने जाते है। इस सम्प्रदाय के पांच ठिकाने, बारह धाम चौरासी बाड़ी व एक सौ आठ स्थापना है।

13. (B) घटियाला अभिलेख प्रतिहार शासक कक्कुक की आभीरी पर विजय का दावा करता है। घटियाला शिलालेख 861 ई. में राजस्थान के घटियाला (जोधपुर) में उत्कीर्ण करवाया गया था। इस अभिलेख में प्रतिहार शासक कक्कुक का उल्लेख है। घटियाला शिलालेख के अनुसार गुर्जर प्रतिहारों का आदिपुरुष। हरिश्चन्द्र एक ब्राह्मण था। गुर्जर प्रतिहारों ने अपना आरंभिक शासन मंडोर में स्थापित किया था।

14. (B) मरूवाणि, राजस्थानी भाषा की एक मासिक पत्रिका है। इस पत्रिका का संपदान मासिक रूप से राजस्थानी नागरी प्रचारिणी सभा जयपुर के द्वारा किया जाता है।

15. (D) दिये गये विकल्पों में विकल्प D सुमेलित नहीं है। ओझियाना आहड़ सभ्यता से संबंधित सबसे पुराना स्थल है जो भलिवाड़ा शहर में स्थित है। यह स्थल एक पहाड़ी पर स्थित है। यहाँ पर सफेद रंग के बैल पाए जाते हैं, जिन्हें ओझियाना बैल कहते हैं।

16. (B) राजस्थान के आहड़ से प्राप्त मृदभाण्डों को लाल धरातल पर काले रंगों की सुन्दर ज्यामितिक डिजाइनों से सजाया गया हे। वर्तमान में उदयपुर जिले में स्थित आहड़ दक्षिण-पश्चिमी राजस्थान सभ्यता का केन्द्र था। यह सभ्यता बनास नदी सभ्यता का प्रमुख भाग थी।

17. (C) राजस्थान की भाषा के लिए 'राजस्थानी' शब्द का सर्वप्रथम प्रयोग जॉर्ज अब्राहम ग्रीसन ने किया था।

18. (C) बिरजोलिया शिलालेख में चौहानों को वत्सगोत्र का ब्राह्मण कहा गया है। बिजौलिया अभिलेख (1170 ई.) यह लेख बिजौलिया कस्बे के पार्श्वनाथ मन्दिर परिसर की एक बड़ी चट्टान पर संस्कृत भाषा में उत्कीर्ण है। इसमें 93 पद्य है। यह अभिलेख चौहानों का इतिहास जानने का महत्वपूर्ण साधन है। इस अभिलेख में उल्लिखित विप्र श्रीवत्सगोत्रेयूत् के आधार पर डॉ. दशरथ शर्मा ने चौहानों को वत्स गोत्र का ब्राह्मण कहा है। इस अभिलेख से तत्कालीन कृषि–धर्म तथा शिक्षा सम्बन्धी व्यवस्था पर भी प्रकाश पड़ता है। लेख द्वारा हमें कई स्थानों के प्राचीन नामों की जानकारी मिलती है जैसे कि जबालिपुर (जालौर) शाकम्भरी) (सांभर) श्रीमाल (भीनमाल) आदि।

19. (B) बड़वा गाँव (कोटा) से उभौखरी यूप अभिलेख प्राप्त हुए है। कोटा जिले में बड़वा गाँव में वि.स. 238 के तीन यूप लेख मिले इसमें मौखरी वंश के शासकों को वर्णन सर्वप्रथम मिला है। मौखरी महासेनापति बल के तीन पुत्रों के एक संपादन का उल्लेख हैं।

20. (A)
- बिजौलिया शिलालेख चौहानों को वत्सगोत्र ब्राह्मण के रूप में दर्शाता है।
- बिजौलिया अभिलेख विंध्यवल्ली में है। बिजौलिया अभिलेख को चौहान शिलालेख के नाम से भी जाना जाता है।
- इस शिलालेख का लेख संस्कृत भाषा में है। यह बिजौलिया मंदिर परिसर में पार्श्वनाथ मंदिर से जुड़े एक जलाशय के उत्तर में एक बड़ी चट्टान पर उकेरा गया है।
- **घोसुंडी शिलालेख:** हाथीबाड़ा घोसुंडी का शिलालेख लहदू धर्म की वैष्णववाद परंपरा की जड़ों का सुझाव देता है। हाथीबाड़ा का अर्थ हाथियों के लिए एक स्थिरता।
- **सारणेश्वर प्रशस्ति** (Saraneshwar Prashasti) (1953)–उदयपुर के श्मशान के सारणेश्वर नामक शिवालय पर स्थित इस प्रशस्ति से बराह मन्दिर की व्यवस्था, स्थानीय व्यापार, कर, शासकीय पदाधिकारियों आदि के विषय में पता चलता है।
- **चीरवे का शिलालेख** (Inscriptions of Chirve) (1273 ई.)–यह चीरवा (उदयपुर) गाँव के एक मन्दिर से प्राप्त संस्कृत में 51 श्लोकों के इस शिलालेख से मेवाड के प्रारम्भिक गुहिल वंशीय शासकों, चीरवा गाँव की स्थिति, विष्णु मन्दिर की स्थापना शिव मन्दिर के लिए भू–अनुदान आदि का ज्ञान होता है।

21. (C)
- गणेश्वर सभ्यता ताम्र या कांस्य युग से सम्बन्धित है।
- गणेश्वर सभ्यता से उत्खनन में ताम्रयुगीन उपकरण प्राप्त हुए हैं।
- राजस्थान में गणेश्वर सभ्यता सीकर जिले में नीम का थाना स्थान से कुछ दूरी पर स्थित हैं।
- गणेश्वर सभ्यता कांतली नदी के किनारे स्थित है।
- गणेश्वर सभ्यता को पूर्व हड़प्पा कालीन सभ्यता माना गया है।
- गणेश्वर सभ्यता 2800 ईसा पूर्व में विकसित हुई थी।
- गणेश्वर सभ्यता को पुरातत्व का पुष्कर भी कहा जाता है।

22. (D)
- कालीबंगा का उत्खनन कार्य बी बी लाल के नेतृत्व में निष्पादित हुआ था।
- कालीबंगा का उत्खनन का कार्य बी. के थापर व बी.बी लाल ने 1961-69 में किया था।

23. (B)
- घोसुण्डी अभिलेख ब्राह्मी लिपि में लिखा गया है।
- **घोसुण्डी शिलालेख** (Inscriptions of Ghosundi) (द्वितीय शताब्दी ईसा पूर्व)– यह लेख कई शिलाखण्डों में टूटा हुआ है। इसके कुछ टुकड़े ही उपलब्ध हो सके हैं। इसमें एक बड़ा खण्ड उदयपुर संग्रहालय में सुरक्षित है। पह लेख घोसुण्डी गाँव (नगरी, चित्तौड) से प्राप्त हुआ था। इस लेख में प्रयुक्त की गई भाषा संस्कृत और लिपि ब्राह्मी है।

24. (C)
- राजस्थान के पुर ताम्रपत्र से रानी कर्मवती द्वारा जौहर के प्रमाण मिलते हैं।
- **पुर का ताम्र पत्र (1535 ई.):** यह ताम्र पत्र महाराणा श्री विक्रमादित्य के समय का है। इसमें जौहर में प्रवेश करते समय हाड़ी रानी कर्मवती द्वारा दिए गए भूमि अनुदान के बारे में जानकारी दी गई है। यह ताम्रपात्र जौहर की प्रथा पर प्रकाश डालता है और चित्तौड़ के दूसरे साके का सटीक समय निर्धारित होता है।
- **चीकली ताम्र पत्र (1483 ई.):** यह किसानों से एकत्र किए जाने वाले विविध लाग–बागों को दर्शाता है।
- **आहड़ ताम्र–पत्र (1206 ईस्वी):** यह ताम्र पत्र गुजरात के सोलंकी राजा भीमदेव (द्वितीय) का वि.सं. 1263 श्रवण शुक्ला का है।
- **खेरोदा ताम्र–पत्र (1437 ई.):** यह ताम्र पत्र महाराणा कुंभा के समय का है। इसमें शंभू को 400 टके (मुद्रा) के दान का भी उल्लेख है।

25. (B)
- घटियाला अभिलेख से मंडोर के प्रतिहारों के इतिहास की जानकारी मिलती है।
- मंडोर एक प्राचीन शहर है और मंडावियापुरा के प्रतिहारों की सीट थी, जिन्होंने 6वीं शताब्दी ईस्वी में इस क्षेत्र पर शासन किया था।
- मंडोर वंश के प्रतिहारों की उत्पत्ति दो शिलालेखों में वर्णित है।
- 837 CE जोधपुर का बाउका का शिलालेख।
- 861 CE घन्टियाला (या घटियाला) कक्कूका का शिलालेख ।
- राजा हरिश्चंद्र प्रतिहार वंश के संस्थापक के रूप में वर्णित हैं। उनके चार पुत्र थे: भोगभट्ट, कक्का, राजिल और दद्दा। नागभट्ट, हरिचंद्र की कतार में चौथे, मंडावियापुरा से मेदांताका (आधुनिक मेड़ता) तक अपनी राजधानी ले गए थे।

26. (D)
- कालीबंगा सभ्यता 2500 ई.पू. तक के काल से 1500 ई.पू. से सम्बंधित है।
- कालीबंगा का शाब्दिक अर्थ "काले रंग की चूड़ियाँ" है।
- कालीबंगा सभ्यता की खोज 1951 में अमलानन्द घोष ने की थी।
- कालीबंगा सभ्यता का काल लगभग 2300 ई.पू. माना गया है।
- कालीबंगा, का उत्खनन कार्य बी. बी. लाल तथा वी. के. थापर ने 1961 से 1969 के बीच करवाया।
- कालीबंगा, वर्तमान राजस्थान के हनुमानगढ़ जिले में स्थित था।
- कालीबंगा की सभ्यता सरस्वती नदी घाटी में फैली थी।
- कालीबंगा वर्तमान में घग्घर नदी के बाएं किनारे फैली हुई है।
- कालीबंगा में प्राक् हड़प्पा एवं हड़प्पा कालीन संस्कृति के अवशेष मिले हैं।

27. (A)
- दो मुँह का चूल्हा बाबर बहुत प्रकार के बर्तनों के साथ सेलबट्टा एवं पेन आहड़ स्थान से खुदाई में मिले थे।
- आहड़ संस्कृति पूर्णतः ग्रामीण संस्कृति थी। यहाँ के निवासी भवन निर्माण के दौरान नींव में पत्थर डालकर भवनों का निर्माण करते थे।
- आहड़ से 45 फुट लम्बे भवन के अवशेष प्राप्त हुए हैं।
- मकानों में औसतन 2 या 3 चूल्हे मिले हैं।
- एक मकान में 6 चूल्हे मिले हैं, जिनमें एक पर मानव हथेली की छाप है।
- आहड़ के भवनों की रसोई में अनेक सिलबट्टे प्राप्त हुए हैं और आहड़ के एक भवन से 4 × 3 फुट का सिलबट्टा प्राप्त हुआ है।
- आहड़ सभ्यता लाल व काले मृदभांड (RBW) वाली संस्कृति का महत्वपूर्ण केन्द्र था।

28. (A)
- आहड़ सभ्यता राजस्थान की ताम्र युगीन सभ्यता में से सबसे प्रमुख हैं।
- जिला उदयपुर
- नदी– आयड़ (बेड़च नदी के तट पर)
- समय–1900 ईसा पूर्व से 1200 ईसा पूर्व
- काल–ताम्र पाषाण काल
- खोजकर्ता–(1953), अक्षय कीर्ति व्यास (1953)
- उत्खननकर्ता–आर. सी. अग्रवाल (रत्नचन्द्र अग्रवाल) (1956)
- सबसे अधिक उत्खनन करवाया 1961 में एच. डी. (हंसमुख धीरजलाल) सांकलिया ने।
- आहड़ का प्राचीन नाम ताम्रवती
- 10 या 11 शताब्दी में इसे आघाटपुर/ आघाट दुर्ग कहते थे।

29. (A)
- बागोर सभ्यता स्थल भीलवाड़ा में मांडल तहसील में कोठारी नदी के तट पर स्थित है।
- बालाथल सभ्यता स्थल उदयपुर (वल्लभनगर तहसील के पास) में बनास नदी के तट पर स्थित है।

30. (A)
- बैराठ प्राचीन काल में मत्स्य महाजनपद की राजधानी थी।
- बैराठ राजस्थान की राजधानी जयपुर से लगभग 85 मिमी. दूर स्थित है।
- प्राचीन ग्रंथों में इसका नाम विराटपुर
- वर्ष 1837 में कैप्टन बर्ट ने यहाँ से मोर्य सम्राट अशोक के भाडू शिलालेख की खोज की थी।

31. (A)
- बिजौलिया, शिलालेख चौहान नरेश सोमेश्वर चौहान के काल में लिखा गया था।
- बिजौलिया शिलालेख की स्थापना जैन श्रावक लोलाक ने की थी।

32. (D) राजस्थान के बैराठ से चांदी की मुद्रा'पंचमार्क' प्राप्त हुई है। राजस्थान की बैराठ की सभ्यता जयपुर जिले के प्राचीन विराटनगर से सम्बन्धित है।

33. (A)
- बागोर और तिलवाड़ा मध्य पाषाणकालीन काल से सम्बन्धित हैं।
- बागोर सभ्यता को एक पाषाणकालीन सभ्यता स्थल माना जाता है।
- बागोर सभ्यता स्थल भीलवाड़ा में मांडल तहसील में कोठारी नदी के तट पर स्थित है।

34. (A) मेसोलिथिक का वास्तविक शाब्दिक अर्थ मध्य पाषाणकालीन युग है।
- मेसोलिथिक, जिसे मध्य पाषाणकालीन युग भी कहा जाता है, प्राचीन सांस्कृतिक चरण है जो इसके पत्थर के औजारों के साथ, पुरापाषाण काल (पुराना पाषाण युग) के बीच मौजूद था। और इसके पॉलिश किए गए पत्थर के औजारों के साथ नवपाषाण (नया पाषाण युग)।
- मध्यपाषाण काल की भौतिक संस्कृति को पुरापाषाण काल की तुलना में अधिक नवीनता और विविधता की विशेषता है।
- मध्य पुरापाषाण काल, जो परतदार औजारों और आग के व्यापक उपयोग की विशेषता थी।
- लगभग 250,000 से 30,000 साल पहले तक चली थी।
- उच्च पुरापाषाण काल, जिसमें अधिक परिष्कृत उपकरण उभरे, लगभग 50,000-40,000 साल पहले से लगभग 10,000 साल पहले तक चले।

35. (A)
- राजस्थान में पुरातात्विक सर्वेक्षण कार्य सर्वप्रथम 1871 ई. में प्रारम्भ करने का श्रेय ए.सी. एल. कालईल को जाता है।
- 1902 ई. में जॉन मार्शल के द्वारा इसका पुनर्गठन किया गया।

36. (B) • राजस्थान में पाषाणयुगीन संस्कृति नदियों और सहायक नदियों के किनारे पाए जाते हैं। इसका कल आज से लगभग 1.5 लाख से 50000 वर्ष पूर्व तक का मन जाता है। यह राजस्थान में मानव संस्कृति का वह उषाकाल था जिसमें संस्कृति के सूर्य का उदय प्रारम्भ हुआ था।

37. (D) • बागोर सभ्यता में कृषि एवं पशुपालन के प्राचीनतम साक्ष्य प्राप्त हुए हैं।
- बागोर सभ्यता में मकान पत्थर से बने थे तथा कर्श में भी पत्थरों को समतल कर जमाया जाता था।
- बागोर सभ्यता में प्राप्त पाषाण उपकरणों में ब्लेड, छिद्रक, स्क्रेपर तथा चांद्रिक आदि प्रमुख हैं।

38. (C) • ताम्रयुगीन स्थल झाड़ोल उदयपुर में स्थित है।
- यह बनास नदी के किनारे स्थित है। वर्तमान कोचला गांव झाड़ोल तहसील का छोटा सा गांव है, जो विक्रम संवत् 1972 में कुंवर आंनद सिह जी झाला द्वारा बसाया गया।

39. (D) • राजस्थान में ताम्र युगीन संस्कृतियाँ नोह, गिलुण्ड, बागेर आदि हैं रंगमहल भीलवाड़ा जिला, राजस्थान का एक प्राचीन ऐतिहासिक स्थान है। रंगमहल सरस्वती एवं दृषद्वती नदी के काँठे में स्थित है।

40. (A) • जहाँगीर के काल में महाराजा गजसिंह को दलथम्भन की उपाधि प्रदान की थी।
- सम्राट जहाँगीर ने 'दलथम्भन' की उपाधि राव गजसिंह को दी थी।
- गजसिंह को मलिक अम्बर को परास्त करने पर 4000 का मनसब व जहाँगीर ने दलथम्भन (शत्रु को रोकने वाला) की उपाधि दी गई थी।
- बाद में मनसब 5000 कर दी गई थी। गजसिंह ने पासवान अनारा बेगम के प्रभाव में आकर अमरसिंह राठौड़ के स्थान पर जसंवत सिंह प्रथम को उत्तराधिकारी बनाया था।

41. (B) • भीम डूंगरी और गणेश डुंगरी स्थल बैराठ सभ्यता से सम्बंधित हैं।
- बैराठ सभ्यता की सर्वप्रथम खोज व उत्खनन कार्य 1936-37 ई. में दयाराम साहनी द्वारा किया गया।
- बैराठ का उत्खनन 1962 ई. में कैलाश दीक्षित व नील रतन बनर्जी ने किया।
- महाराजा रामसिंह के शासनकाल में किलेदार किताजी खंगारोत ने उत्खनन के दौरान स्वर्ण मंजूषा (कलश), जिसमें भगवान बुद्ध के अस्थि अवशेष प्राप्त हुए।
- बैराठ से प्रागैतिहासिक काल के अवशेष, मौर्यकालीन अवशेष, मध्यकालीन अवशेष मिलते हैं।
- विराट नगर की पहाड़ियों में गणेश डूंगरी, बीजक डूंगरी तथा भीम डूंगरी पर इस सभ्यता का फैलाव है।

42. (A) • दोहरी रक्षा–प्रस्वीर के साक्ष्य राजस्थान की बालाथल सभ्यता से मिले हैं।
- बालथाल सभ्यता– जिला– उदयपुर वल्लभनगर तहसील के पास) (नदी– बनास (समय–1900 ईसा पूर्व से 1200 ईसा पूर्व तक आहड़ सभ्यता से सम्बंधित ताम्र युगीन स्थल (खोजकर्ता व उत्खनन कर्ता– 1993 वी. एन. मिश्राविरेन्द्र नाथ मिश्र)
- गणेश्वर सभ्यता–जिला–सीकर, नीम का थाना तहसील (खोजकर्ता/उत्खनन कर्त्ता– 1977 आर. सी. (रत्न चन्द्र) अग्रवाल (काल – ताम्रयुगीन सभ्यता
- कालीबंगा सभ्यता–जिला–हनुमानगढ़ समय–3000 ईसा पूर्व से 1750 ईसा पूर्व तक। राजस्थान की सबसे पुरानी सभ्यता; काल– ताम्र युगीन काल।

43. (D) • हड़प्पा सभ्यता के कालीबंगा से जुते हुए खेत के प्रमाण मिले है।
- कालीबंगा से हड़प्पा के साथ–साथ प्राक् हड़प्पा सभ्यता के अवशेष भी प्राप्त हुए हैं। कालीबंगा राजस्थान के गंगानगर जिले में घग्घर नदी के किनारे स्थित है। यहाँ शहर के दोनों भाग दुर्गीकृत है। यहाँ के घर कच्ची ईंटों के बने हैं। कालीबंगा का अर्थ काले रंग की मिट्टी की चूड़ियाँ होता है। यहां से लकड़ी के हल तथा जुते हुए खेत के साक्ष्य मिले हैं। जिनके कूड़ों के बीच का फासला पूर्व से पश्चिम की ओर सेमी. और उत्तर से दक्षिण 1.10 मीटर पर है। यहाँ कुछ अग्निकुण्ड मिले हैं जिन्हें वज्र प्रणाली से जोड़ा जाता है। दो फसलों को उगाने का प्रमाण यहां से मिला है। यहां के फर्श पर अलंकृत ईंटों के प्रयोग का साक्ष्य मिला है।

44. (B) • ओझियाना सभ्यता के. एन. पुरी द्वारा नहीं खोजी गयी थी।
- ओझियाना सभ्यता स्थल का उत्खनन बी.आर. मीणा तथा आलोक त्रिपाणी द्वारा वर्ष 1999–2000 में किया गया था।
- आहड़ सभ्यता के खोजकर्ता, एच.डी. सांकलिया जी थे।
- बैराठ सभ्यता के खोजकर्ता, दयाराम साहनी जी थे।
- बागौर सभ्यता के खोजकर्ता, वी. एन. मिश्र जी थे।

45. (C) • आहड़ सभ्यता का उत्खनन कार्य सर्वप्रथम अक्षय कीर्ति व्यास ने किया था।

आहड़ सभ्यता
- स्थिति–उदयपुर
- नदी–बनास नदी
- उत्खनन कार्य–अक्षयकीर्ति व्यास 1953
- खोजकर्ता एच.सी. सांकलिया, आर.सी. अग्रवाल।

❑❑